



Harsh



Aanchal

Model: Love-Horoscope

Order No: 121685401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/09/1999 :	जन्म तिथि	: 14/03/2003
बुधवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 06:05:00 :	जन्म समय	: 09:30:00 घंटे
घटी 00:08:49 :	जन्म समय(घटी)	: 07:20:10 घटी
India :	देश	: India
Solan :	स्थान	: Solan
30:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:01:28 :	सूर्योदय	: 06:33:55
18:36:54 :	सूर्यास्त	: 18:28:29
23:50:57 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:52
सिंह :	लग्न	: मेष
सूर्य :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
कर्क :	राशि	: कर्क
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: चन्द्र
आश्लेषा :	नक्षत्र	: पुनर्वसु
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
4 :	चरण	: 4
शिव :	योग	: शोभन
विष्टि :	करण	: वणिज
डो-डोभाल :	जन्म नामाक्षर	: ही-हिना
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन
विप्र :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
मार्जार :	योनि	: मार्जार
राक्षस :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
श्वान :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
बुध 3वर्ष 2मा 27दि
शुक्र

05/12/2009

05/12/2029

शुक्र	05/04/2013
सूर्य	05/04/2014
चन्द्र	05/12/2015
मंगल	03/02/2017
राहु	04/02/2020
गुरु	05/10/2022
शनि	05/12/2025
बुध	05/10/2028
केतु	05/12/2029

अंश

21:01:25
21:05:12
27:27:25
09:26:44
20:31:43
10:48:57
25:06:56
23:15:38
18:53:53
18:53:53
19:48:06
08:04:45
13:59:54

राशि

सिंह
सिंह
कर्क
वृश्चि
सिंह
मेष
कर्क
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मेष
कुंभ
कर्क
धनु
कुंभ
कर्क
मक
वृष
वृष
वृश्चि
कुंभ
मक
वृश्चि

अंश

28:25:43
29:15:42
02:42:35
12:00:02
22:03:19
14:51:26
19:52:24
28:36:23
08:20:03
08:20:03
06:16:58
18:15:43
26:01:52

विंशोत्तरी

गुरु 0वर्ष 8मा 29दि
बुध

12/12/2022

12/12/2039

बुध	10/05/2025
केतु	07/05/2026
शुक्र	07/03/2029
सूर्य	11/01/2030
चन्द्र	13/06/2031
मंगल	09/06/2032
राहु	27/12/2034
गुरु	03/04/2037
शनि	12/12/2039

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

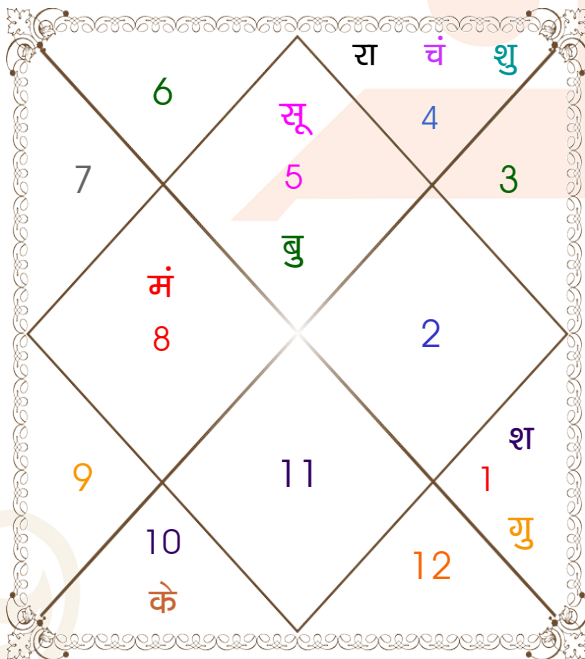
राहु : स्पष्ट

23:50:57

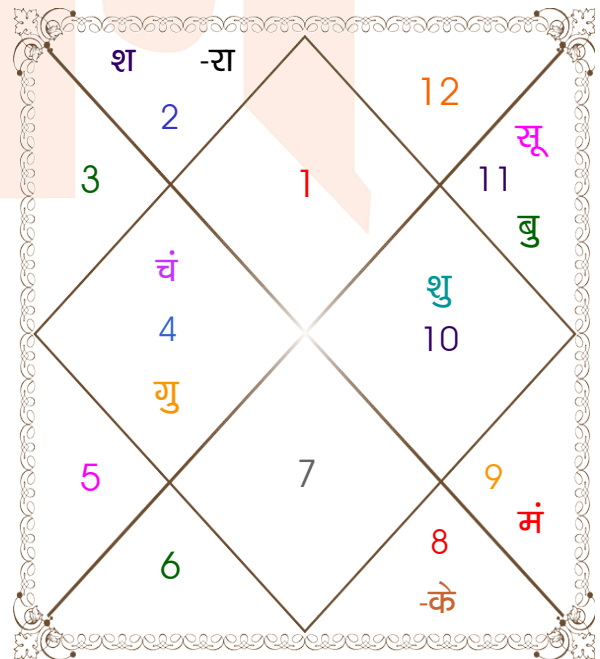
चित्रपक्षीय अयनांश

23:53:52

लग्न-चलित



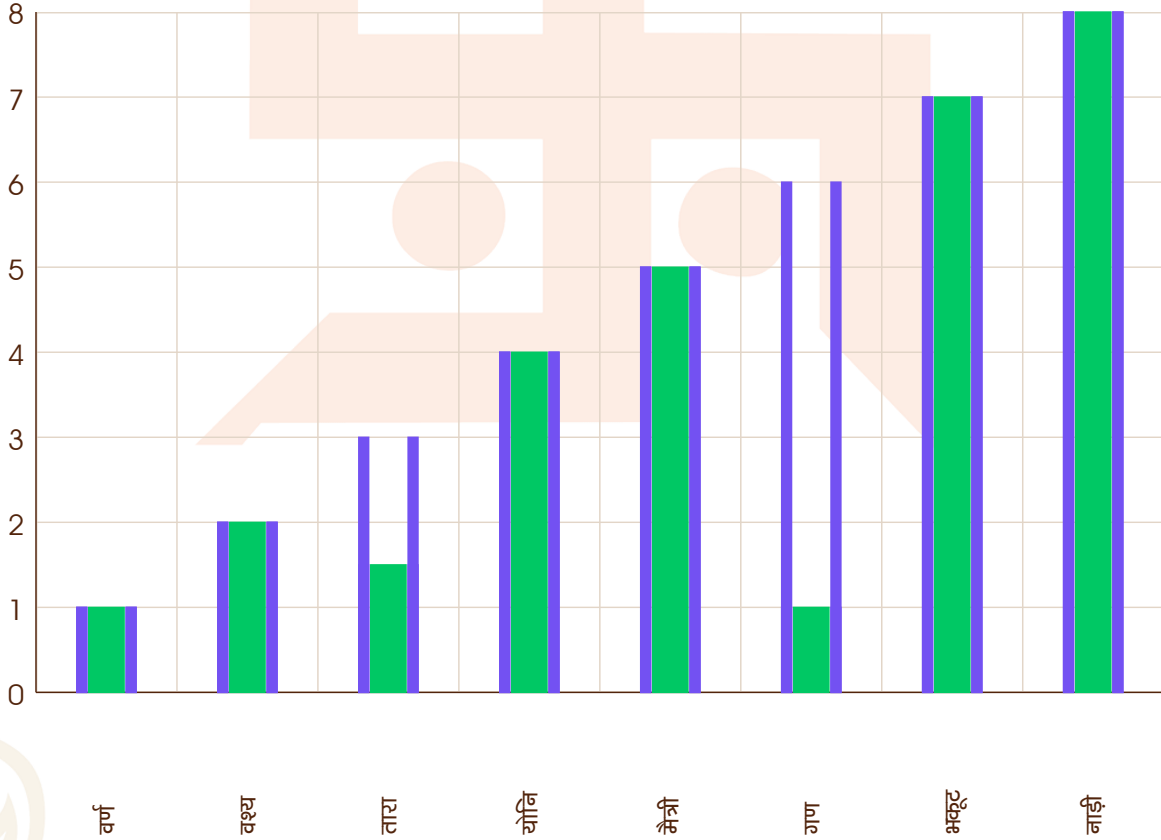
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

कुल : 29.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भंती का वर्ग श्वान है तथा Aanchal का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार भंती और Aanchal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

भंती मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल भंती कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ॥**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढष्ट;डडमंगंवूदकमड;0द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल भंती कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Aanchal मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ॥

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भंती तथा Aanchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

भंती का वर्ण ब्राह्मण तथा Aanchal का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदर, पसन्द एवं नापसन्द सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

भंती का वश्य जलचर है एवं Aanchal का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसन्द एवं नापसन्द एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनन्द लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

भंती की तारा विपत तथा Aanchal की तारा मित्र है। भंती की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। भंती एवं भंती के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Aanchal हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Aanchal को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

भंती की योनि मार्जार है तथा Aanchal की योनि भी मार्जार है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान

शीघ्र ही निकाल पाने में सज्जम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में भंती एवं Aanchal दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि भंती एवं Aanchal दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

भंती का गण राक्षस तथा Aanchal का गण देव है। अर्थात् Aanchal का गण भंती के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण भंती निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही भंती का Aanchal के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Aanchal हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

भंती एवं Aanchal दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान भंती एवं Aanchal तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

भंती की नाड़ी अन्त्य है तथा Aanchal की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। भंती की अन्त्य नाड़ी तथा Aanchal की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

भंती और Aanchal दोनों की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। अतः इनमें स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा जीवन भी आनंद पूर्वक व्यतीत होगा। उनमें परस्पर स्नेह सहानुभूति एवं आकर्षण का भाव भी विद्यमान रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

भंती और Aanchal दोनों की राशि का स्वामी चन्द्रमा है। यह स्थिति सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए अत्यंत ही शुभ मानी जाती है। इसके प्रभाव से भंती और Aanchal दोनों भावुक बुद्धिमान तथा आपस में सामंजस्य स्थापित करने वाले होंगे तथा प्रेम पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। इनके जीवन मूल्य एवं सिद्धांतों में समानता रहेगी अतः समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

भंती और Aanchal की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से भविष्य की योजनाओं में इनको सफलता मिलेगी। यद्यपि Aanchal की महत्वाकांक्षाएं प्रबल नहीं होंगी तथापि अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने में सफल रहेंगी। भंती और Aanchal निस्वार्थ भाव से एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं समानता का भाव रखेंगे तथा एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

भंती और Aanchal दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर पूर्ण समता रहेगी तथा अभिरुचियों में भी अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण आकर्षण तथा आत्मीयता का भाव रहेगा। साथ ही कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

भंती और Aanchal दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः शैक्षणिक क्षेत्र शास्त्रीय विषय या धर्म संबन्धी कार्य कलाओं में दोनों की रुचि रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर रहेगी। साथ ही जीवन के सिद्धांत एवं मूल्यों में भी एक रूपता रहेगी जिससे भंती और Aanchal का जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

भंती और Aanchal दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

भंती का अन्य तथा Aanchal का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का Aanchal के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Aanchal को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से भंती और Aanchal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त भंती और Aanchal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Aanchal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Aanchal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Aanchal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से भंती और Aanchal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार भंती और Aanchal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Aanchal के सास से संबंधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबंधों में मधुरता लाने के लिए Aanchal को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Aanchal को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें

प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Aanchal के संबंधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Aanchal का ससुराल के लोगों से अच्छे संबंध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

भंती के अपनी सास से सामान्य संबंध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा भंती अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी भंती का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में भंती का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि भंती तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में भंती के संबंध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

लग्न फल

Harsh

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभान्श आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उद्देश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियो, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका पारिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार

करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृत्ति के पुरुष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यान्वयन अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यान्वयन समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदत डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

Aanchal

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के प्रथम चरण में जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय हुआ था। आपके जन्म काल धनु राशि का नवमांश एवं धनु राशि द्रेष्काण का प्रभाव पड़ रहा था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप अपना जीवन सुख पूर्वक आरामदायक वातवारण के साथ व्यतीत करेंगी।

बुनियादी तौर पर आप अपने कर्म पर विश्वास करने वाली प्राणी हैं। तथाकथित रूप से आप अपने जीवन को सेवा योग्य एवं मानवता युक्त विचार से संभावित रूप में व्यतीत करेंगी। अस्तु वह संभाव्य है कि आप अपने अगले पुनर्जन्म में ज्योतिर्मय आत्मा से प्रवेश करेंगी। अर्थात् वर्तमान जीवन के कार्य कलाप उत्तमता से प्रस्तुत कर संपादित करेंगी।

आप दुबली-पतली, औसतन लंबे, मांसल शरीर से युक्त, एक संयमी प्राणी होंगी। आप में अदम्य उत्साह, संभव शक्ति, संपन्न, आध्यात्मिक भावनाओं से युक्त, आत्मनिश्चयी, अपने उद्देश्य के पीछे चलने वाली तथा अपने कार्य कलापों को सीमा तक ले जाने वाली महिला हैं। आपकी यह जन्मजात प्रवृत्ति ईश्वरीय प्रदत्त है कि आप हर संभव प्रयत्नशील रहकर पूर्ण धन प्राप्त करके अपना कामप्रिय एवं सुखमय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप बुद्धिमान एवं उच्चकोटि की महत्वकांक्षी सत्तालोलुप प्राणी हैं। आप में अपनी पूर्ण योजनाओं अर्थात् कार्यकलापों को व्यवस्थित ढंग से सुविधापूर्वक संचालित करने की क्षमता विद्यमान है। आप में दूसरा यह गुण भी विद्यमान है कि आप चाहे कोई भी कार्य शुरू करने का निश्चय करती हैं। उसको निश्चित रूप से पूरा कर लेती हैं।

आप अपनी आंतरिक चतुरता से जिस कार्य में हाथ लगाती हैं। उसको कठोरता पूर्वक ग्रहण कर अन्दरूनी समस्याओं को समाधान करने में सक्षमता प्राप्त कर सकती हैं। आप किसी भी समस्याओं का सामना करने के लिए तथा अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उसके पीछे पड़ जाती हैं। इस क्षण चाहे किसी की किसी भी प्रकार की अच्छी राय या सबक हो उसे कठोरता पूर्वक नकार देती हैं। आपका यह सहजता पूर्वक अपने-अपने कार्य के प्रति अग्रसर होना तथा परिस्थिति को नियंत्रित रखना, आपकी विशेष योग्यता का परिचायक है।

विशेषतः आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अपरिवर्तनीय आकर्षण से विपरीत योनि के कोई भी सदस्य आपकी विनोदप्रियता के कारण इच्छा रख कर भी प्रेमालिंगन नहीं कर पाते हैं। परंतु इसका यह अर्थ नहीं कि आपका दाम्पत्य जीवन भी अस्त व्यस्त है। अर्थात् आप अपने पति के प्रति पूर्ण आस्थावान और समर्पित हैं।

आप अपनी माता के लिए सभी कुछ त्याग कर भी अपनी माता के साथ अच्छी प्रकार से तारतम्य मिलाकर अपने बच्चों एवं पति को भी प्यार करती हैं। वास्तविकता तो यह है कि आपके कंधे पर पारिवारिक संपूर्ण दायित्व निर्भर है, तथा आपके द्वारा ही परिवार का पर्याप्त हित संभाव्य है।

आप मसालेदार और रुचिकर भोजन पसंद करती और बहुत अधिक खाती हैं। स्वाभाविक रूप से बहुत भोजन करना, जिससे अच्छी पाचन क्रिया न हो वैसा भोजन आपके लिए दुःखकारक होगा। इसलिए वासी, अम्लीय खाद्य तथा अचार, मसाला युक्त व्यंजन नहीं ग्रहण करें। आपको सदैव और लगातार हरी शाक-सब्जी भोजन करना चाहिए। आपके लिए संचालित व्यवसाय से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य, अथवा रसायनिक वस्तुओं का उत्पादन करना आपके लिए अनुकूल व्यवसाय होगा।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सामान्यतया छोटी मोटी कोई चोट आदि की आशंका है। दुर्घटना से आपके माथे पर कोई गंभीर चोट न लग जाए। अतः आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। आपको सदैव ही भीड़-भार से बचकर अपेक्षित और सतर्कता पूर्वक पथ को पार करना चाहिए। आपको अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर अपने सिरो वेदना के तकलीफ से छुटकारा पाने के लिए राय लेनी चाहिए। आपको साधारण तौर पर मस्तिष्क से संबंधित अथवा अनिद्रा जैसी छोटे रोग की संभावना है। आपको स्वस्थ जीवन बिताने के लिए संबंधित सतर्कता बरतनी चाहिए। स्वास्थ्य जीवन बिताने के लिए उपाय से अधिक रोग से बचाव करना श्रेयस्कर होगा।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए व्यवहारणीय अंक 9 एवं 1 अंक भाग्यशाली अंक है।

आपके व्यवहार के लिए लाभदायक एवं अनुकूल रंग, लाल, ताम्रवर्णी, स्वर्णिम एवं पीला रंग के वस्त्रादि है। इसके अतिरिक्त काला रंग या काले रंग का वस्त्रादि आपके लिए अनुकूल नहीं हैं।



अंक ज्योतिष फल

Harsh

आपका जन्म दिनांक आठ होने से आपका मूलांक आठ बनता है। मूलांक आठ का स्वामी शनिग्रह है। शनि के प्रभाव से आप अपने जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेंगे। व्यवधानों, कठिनाईयों से जूझते हुए सफलता प्राप्त करना आपकी प्रकृति में रहेगा। असफलताओं से आप घबड़ाएँगे नहीं। कभी कभी निराशा के भाव अवश्य आ जाया करेंगे। आलस्य आपका सबसे बड़ा शत्रु रहेगा और यही आलस्य आपकी असफलता का कारण रहेगा। अतः किसी भी कार्य को कल पर न टालें। जीवन में शनि ग्रह के प्रभाववश आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगे, जिससे आपको नाम, यश, कीर्ति, प्राप्त होगी। आपकी कार्यशैली को हर कोई समझ नहीं पायेगा, इससे आपके विरोधी भी उत्पन्न होंगे।

आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति कम रहेगी। इस कारण आपको कुछ लोग रूखा, शुष्क और कठोर हृदय समझेंगे। जबकि अन्दर से आप काफी भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आप अधिकांश समय में अपने काम से ही मतलब रखेंगे एवं आपकी कोशिश रहेगी कि काम में ही लगे रहें। लेकिन आपके इस व्यवहार के कारण आपके आलोचक भी अधिक रहेंगे।

आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं श्रम में कभी पीछे नहीं हटेंगे। किसी भी कार्य में कितना भी श्रम, त्याग या बलिदान लगे आप पीछे नहीं हटेंगे। इसी कारण रुकावटों को पार करते हुये आप अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त करेंगे। शनि प्रभावी व्यक्ति संघर्ष शील एवं परिश्रमी होते हैं एवं विधनों को पार करते हुये उन्नति करने के कारण इनको सफलता देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होती है।

Aanchal

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक पाँच होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभाववश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगी। रोजगार आप ऐसा चुनेंगी जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ

अच्छ मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करती रहेंगी तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व की धनी हो जायेंगी।

Harsh

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

Aanchal

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।